आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा को मिला नेशनल हाउसिंग अवार्ड

इंदिरा गांधी नगर में किए गए विकास कार्यों के लिए दिया अवार्ड

पंजाब केसरी/जयपुर

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा को बुधवार को आयोजित वर्चुअल तृतीय वार्षिक नेशलन हाउसिंग समिट एंड अवाड्र्स कार्यक्रम में हाउसिंग बोर्ड श्रेणी में नेशनल हाउसिंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। इलेट्स टेक्नोमीडिया की ओर से आयोजित इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में हर वर्ष देश भर में चुने हुए उत्कृष्ट कार्यों को अवार्ड देकर सम्मानित किया जाता है। कार्यक्रम में देश-विदेश से जुड़े हजारों इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स, सरकार कर्मचारी/अधिकारी और हाउसिंग सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स ने वर्चुअल तरीके से भाग लिया।

अरोड़ा को यह पुरस्कार इंदिरा गाधी नगर में कराए गए विकास कार्यों के लिए दिया जा रहा है। गौरतलब है कि हाल में मंडल की ओर से इंदिरा गांधी नगर, जयपुर में वृहद् स्तर पर विकास कार्य किए गए हैं। इनमें यहां के निवासियों को 4 एमएलडी पानी अतिरिक्त उपलब्ध कराया गया है, पांच किलोमीटर सड़क को आदर्श सड़क के रूप में विकसित किया जा रहा है और इसके साथ ही यहां कई अन्य विकास कार्य करवाए गए हैं। रोचक बात यह है कि मंडल आयुक्त के रूप में अरोड़ा को महज 9 महीने हुए हैं, जिनमें 5 महीने कोरोना लॉकडाउन के बावजूद कम समय में बोर्ड की ओर से बड़ी संख्या में अधिशेष सम्पत्तियों का निस्तारण हुआ, रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया गया है। मंडल की ओर से 6 हजार सम्पत्तियों के निस्तारण से लगभग 1400 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त किया गया है। हाल में मंडल की ओर से 14 स्वतंत्र आवासीय योजनाएं और 4 मुख्यमंत्री जन आवास योजनाएं लॉन्च की गई हैं, जिनके माध्यम से आमजन को कम कीमत पर गुणवत्ता युक्त आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

35 दिन में 1010 मकान बेचकर बनाया कीर्तिमान

मंडल की ओर से चलाए गए है ई-ऑक्शन योजना में महज 35 दिन में 1010 मकान बेचकर 162 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित कर अन्तरराष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया। इस कीर्तिमान को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन की ओर से भी मान्यता दी गई। इसके बाद बुधवार नीलामी उत्सव, स्वर्ण जयंती उपहार योजना, बुधवार नीलामी उत्सव के तहत ई-बिड सबमिशन में सभी को किश्तों में आवास योजना चलाई गई, जिससे कम कीमत में आमजन के घर का सपना साकार हो सका। इन योजनाओं के अतिरिक्त मंडल की ओर से कोचिंग हब, प्रताप नगर, सिटी पार्क, मानसरोवर, जयपुर, जोधपुर और कोटा चौपाटी, वीकेंड होम्स जैसी योजनाएं लाकर शहरों के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।